भास्कर Breaking • बच्चों को प्रोफेशनल बनाने के लिए बन रही नई पॉलिसी, स्कूलों में बनेंगी इनोवेशन काउंसिल

स्कूली बच्चे सीखेंगे कैसे शुरू करें स्टार्टअप

50 हजार शिक्षकों को ट्रेनिंग देकर स्कूलों में ही बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर व इनोवेशन लैब बनेंगी, बच्चे उद्योगों में इंटर्नशिप करेंगे

अनिरुद्ध शर्मा | नई दिल्ली

स्कूली शिक्षा अब सिर्फ किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रहेगी। तेजी से बदलती दुनिया में भारतीय बच्चे खुद को कैसे आगे रख सकें, इसकी तैयारियों को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय और सीबीएसई ने नई पॉलिसी का ड्राफ्ट तैयार किया है। इसे जल्द ही सुझाव मांगने के लिए सार्वजनिक किया जाएगा। ड्राफ्ट के मुताबिक, सरकार का मानना है कि दुनिया में कई नौकरियां तेजी से खत्म हो रही हैं, जबकि नई नौकरियां पैदा हो रही हैं। आने वाले वक्त में कौन सी नौकरियां पैदा होंगी, इसे ध्यान में रखकर बच्चों को स्कूल से ही ट्रेंड किया जाएगा। सबसे ज्यादा फोकस बच्चों में इनोवेशन एटीट्यूड पैदा करने का रहेगा। इसके लिए स्कूलों में इंक्यूबेशन सेंटर बनेंगे। रचनात्मक कौशल विकसित करने के लिए इनोवेशन लैब, रैपिड प्रोटोटाइप लैब, थ्रीडी प्रिंटिंग लैब, मेकर्स स्पेस, डिजिटल लाइब्रेरी, प्री-इंक्यूबेशन सेंटर आदि खोले जाएंगे। जिन स्कूलों में अपना ढांचा नहीं होगा, वे स्कूल आसपास की प्रयोगशालाओं और संस्थानों के साथ करार कर छात्रों को सुविधा मुहैया कराएंगे। स्कूल साइंस पार्क, बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर, इनोवेशन काउंसिल, एमएसएमई, इसरो, डीआरडीओ एजेंसियों की प्रतिष्ठित लैब के साथ भी करार कर सकते हैं। सबसे अहम बात यह है कि स्कूल प्रबंधन 'स्टार्टअप इंडिया' के संसाधनों का लाभ उठा सकेंगे। स्टार्टअप इंडिया के प्लेटफॉर्म पर स्कूल अपना प्रोफाइल बना सकेंगे, ताकि छात्रों के इनोवेशन का प्रदर्शन हो सके। सरकार का मानना है बच्चे अगर स्कूलों से ही स्टार्टअप आईडियाज पर काम करना शुरू कर दें तो वे न सिर्फ बदलते जमाने में खुद को कॉलेज जाने से पहले ही बिजनेस वर्ल्ड में स्थापित कर पाएंगे, बल्कि नौकरी के पीछे भागने के बजाए, नौकरियां देने वाले बन जाएंगे।

छात्रों को क्लास रूम के बजाए संबंधित विषय की फील्ड में पढ़ाया जाएगा

कक्षा 3 से 5 के छात्रों के लिए

स्कूलों में इनोवेशन क्लब बनेगा। इसमें कक्षा 3 से 5 तक के छात्र सदस्य होंगे। गर्मी की छुट्टियों के दौरान क्लब बच्चों के लिए इनोवेटिव गतिविधियां आयोजित करेगा। इसमें केस स्टडीज, डिजाइन थिंकिंग, क्रिटिकल थिंकिंग के जरिए 'खुद करके देखो' जैसी गतिविधियां होंगी। यह पहली स्टेज होगी।

कक्षा 6 से 8 के छात्रों के लिए

हर हफ्ते कम से कम दो घंटे इनोवेशन गतिविधियों में शामिल होना अनिवार्य होगा। इसमें फोकस रहेगा कि जो विषय पढ़ाए जा रहे हैं, उन्हें एक्सपेरिमेंटल लर्निंग गतिविधियों से सीखा जाए। पेशेवर इनोवेटर्स से मुलाकातें होंगी, ताकि उनसे रियल लाइफ की प्रेक्टिकल नॉलेज मिले। इंटर्नशिप जैसे प्रोग्राम भी शुरू होंगे।

कक्षा 9 से 12 के छात्रों के लिए

इसी स्टेज से असली प्रोफेशनल पढ़ाई शुरू होगी। छात्रों को गर्मी और सर्दी की छुट्टियों के दौरान स्थानीय उद्योग या स्टार्टअप के साथ लाइव प्रोजेक्ट में काम करने का मौका मिलेगा। उद्योगों में इंटर्नशिप के प्रदर्शन के आधार पर ही छात्रों का शैक्षणिक मूल्यांकन होगा। यह व्यवस्था अगले सत्र से शुरू होगी।

स्कूल-छात्र नेटवर्किंग कर सकेंगे, इसके लिए सरकार एक पोर्टल बनाएगी

शिक्षा मंत्रालय का इनोवेशन सेल जल्द ही एक वन स्टॉप वेबपोर्टल विकसित करेगा। इसके जरिए सभी स्कूल और छात्र नेटवर्किंग कर सकेंगे। इसके माध्यम से ही वे इनोवेशन, आइडिएशन और एंटरप्रेन्योरशिप गतिविधियों में हिस्सा ले सकेंगे। सभी सरकारी और निजी स्कूलों को 'स्कूल इनोवेशन काउंसिल' में खुद को रजिस्टर कराना होगा। हर स्कूल में एक इनोवेशन को-ऑर्डिनेटर होगा।